विद्या भारती संकुल संवाद

जुलाई 2025
आषाढ़- श्रावण
विक्रमी संवत 2082

"सा विद्या या विमुक्तये"

विद्या भारती परिचय वर्ग

लक्षद्वीप को छोड़कर देशभर में संचालित हैं विद्या भारती के विद्यालय

विशेष

- भारतीय ज्ञान परंपरा एक अनमोल विरासत
- सप्तशक्ति संगम कार्यशाला
- विद्या भारती परिचय वर्ग
- वार्षिक साधारण सभा बैठकों का आयोजन
- अखिल भारतीय घोष वर्ग समूह
- पर्यावरण पखवाड़ा
- एस-600 डिफेन्स प्रोजेक्ट को प्रथम स्थान

मध्य क्षेत्र-छत्तीसगढ़

भारतीय ज्ञान परंपरा एक अनमोल विरासत

अपनी परंपराओं का निर्वहन करना नैतिक जिम्मेदारीः अवनीश जी

दुर्ग । विद्या भारती सरस्वती शिक्षा संस्थान रायपुर के अंतर्गत विद्वत परिषद दुर्ग विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा एक अनमोल विरासत विषय पर विमर्श का आयोजन साइंस कॉलेज राधाकृष्णन हाल में किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अवनीश भटनागर जी ने कहा कि अपनी कुल परंपराओं का निर्वहन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है और यह हमारी विरासत है। किसी भी ग्रंथ में उल्लेख न होने पर भी परंपराओं को निभाना भारतीय ज्ञान परंपरा है। भारत की संस्कृति भारत की शिक्षा, प्राचीन वेद, उपनिषद, पुराण, स्मृतियों में वर्णित है, जिसका आश्रय लेकर भारतीय समाज सशक्त व सबल होता है। अपनी इन्हीं विरासतों के कारण भारत विश्व गुरु के रूप में पहचाना जाता है। अध्यक्षता कर रहे, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि विमर्श शिक्षा जगत में एक अनूठी पहल है। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चिंतन समाज को नई दिशा प्रदान करेगा।

इस अवसर पर विद्या भारती के प्रादेशिक सचिव श्री लक्ष्मण राव, विद्वत परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत के संयोजक डॉ. सुभाष चंद्राकर, श्री जुड़ावन सिंह ठाकुर, श्री विवेक सक्सेना, श्री दुर्गेश नंदिनी परिहार, श्री राघवेंद्र मिश्रा, श्री चिरंजीव जैन, डॉ. मनोज दानी आदि उपस्थिति रहे।

सप्तशक्ति संगम कार्यशाला

राजस्थान क्षेत्र-जोधपुर

सप्तशक्ति संगम कार्यशाला, जोधपुर

जोधपुर । विद्या भारती जोधपुर प्रान्त कार्यालय श्रुतम में "सप्तशक्ति संगम कार्यशाला" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र की उपाध्यक्ष डॉ रजनी मीणा ने कहा कि संघ शताब्दी वर्ष में विद्यालय स्तर पर सम्मेलनों के माध्यम से मातृशक्ति की सहभागिता बढ़ाते हुए पर्यावरण संरक्षण व कुटुम्ब प्रबोधन जैसे विषयों पर महिलाओं के सम्मेलन करने हैं। प्रमिला शर्मा जी, अखिल भारतीय बालिका शिक्षा सह संयोजिका ने सप्तशक्ति संगम की प्रस्तावना, उद्देश्य, प्रभाव आदि की जानकारी दी। सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम प्रान्त संयोजिका, सुषमा चौधरी जी के संयोजन में कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में नीलम पंवार जी, प्रान्त उपाध्यक्ष प्रमिता अरोड़ा जी, प्रान्त मंत्री भेरूपाल जी, प्रान्त सचिव महेन्द्र दवे जी आदि उपस्थित रहे।

सप्तशक्ति संगम कार्यशाला, गुवाहाटी

गुवाहाटी । विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा "सप्तशक्ति संगम कार्यशाला" का सफल आयोजन गुवाहाटी स्थित असम प्रकाशन भारती भवन में हुआ।

कार्यशाला में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न प्रांतों—त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर एवं असम से कुल 32 महिला कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

चार सत्रों में संपन्न इस कार्यशाला की मुख्य वक्ता एवं मार्गदर्शिका अखिल भारतीय मंत्री तथा सुप्रसिद्ध चिकित्सिका डॉ. मधुश्री संजीव सावजी रहीं। उन्होंने मातृशक्ति की भूमिका, स्वास्थ्य, संस्कार निर्माण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विविध विषयों पर गहन एवं प्रेरक मार्गदर्शन प्रदान किया।

अखिल भारतीय घोष वर्ग समूह

अखिल भारतीय घोष वर्ग समूह, समालखा

उत्तर क्षेत्र-हरियाणा

समालखा | अखिल भारतीय घोष वर्ग समूह (क) 3-6 जुलाई 2025 समालखा (हरियाणा) वर्ग के मुख्य शिक्षक- श्री कैलाश धनकर और घोष वर्ग के संयोजक श्री रामभजन, वर्ग सह संयोजक श्री गोपाल पारीक रहे। यह अखिल भारतीय घोष वर्ग समूह (क) में 6 क्षेत्रों के विद्या मंदिरों से 132 घोष आचार्य की सहभागिता रही। इनके अतिरिक्त 8 घोष शिक्षक भी उपस्थित रहे।

वाद्य अनुसार संख्या

आनक - 51

शंख - 34

वंशी - 36

मधुरिका - 2

ताल वाद्य - 11

और पूर्व छात्र बहन भी एक शिक्षार्थी रही। वादकों की कुल संख्या 132 रही। इस वर्ग में प्रमुख अधिकारी अ.भा.शारीरिक संयोजक श्री दुर्गसिंह राजपुरोहित, उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा, उत्तर क्षेत्र अध्यक्ष श्री सुरेंद्र अत्री पूर्ण समय उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय घोष वर्ग समूह, विशाखापत्तनम

दक्षिण मध्य क्षेत्र-आंध्र प्रदेश

विशाखापत्तनम | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा विज्ञान विहार आवासीय विद्यालय, गुड़ीलोवा, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में वार्षिक घोष वर्ग का आयोजन किया गया।

इसका उद्घाटन श्री श्रीराम आरावकर (अ.भा.सह संगठन मंत्री),श्री दुर्गसिंह राजपुरोहित (अ.भा. शारीरिक संयोजक) तथा प्रो. जी. नागेश्वर राव (उपाध्यक्ष दक्षिण मध्य क्षेत्र), की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 2-4 अगस्त 2025 को आयोजित किया गया।

विज्ञान विहार, गुड़ीलोवा में एक विशाल खेल मैदान है, जो गुणवत्तापूर्ण मानक शिक्षा के साथ-साथ घोष, शारीरिक गतिविधियों जैसी पारंपरिक प्रणालियों को भी प्राथमिकता देता है। इस आयोजन में 6 क्षेत्रों से 61 घोष शिक्षकों ने सहभागिता की।

श्री कन्ना भास्कर (प्रांत संगठन मंत्री, आंध्रप्रदेश), भी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वार्षिक साधारण सभा बैठकों का आयोजन

उत्तर क्षेत्र की वार्षिक साधारण सभा

उत्तर क्षेत्र-दिल्ली

दिल्ली। विद्या भारती उत्तर क्षेत्र की साधारण सभा बैठक का आयोजन क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री अशोक पाल जी की अध्यक्षता एवं अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महन्त जी व अखिल भारतीय महामंत्री श्री देशराज शर्मा जी की उपस्थिति में महाशय चून्नीलाल सरस्वती बाल मन्दिर हरिनगर दिल्ली में हुआ। विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा जी एवं सह संगठन मंत्री श्री बाल किशन जी की विषय उपस्थिती रही।
बैठक में दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से लगभग 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मध्य क्षेत्र की वार्षिक साधारण सभा

मध्य क्षेत्र-छत्तीसगढ़

भिलाई। विद्या भारती मध्य क्षेत्र की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन भिलाई, दुर्ग (छत्तीसगढ़) में किया गया।
इस अवसर पर विद्या भारती के अध्यक्ष डॉ रविंद्र कान्हेरे जी, उपाध्यक्ष श्री अवनीश भटनागर जी, क्षेत्र अध्यक्ष श्री विवेक शेन्डये, क्षेत्र संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा, क्षेत्र मंत्री श्री जितेंद्र सिंह परिहार सहित मालवा, मध्य भारत, महाकौशल एवं छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्या भारती परिचय वर्ग

विद्या भारती परिचय वर्ग, भोपाल

भोपाल | विद्या भारती मध्यभारत प्रांत द्वारा "विद्या भारती परिचय वर्ग" शारदा विहार आवासीय विद्यालय, भोपाल में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्या भारती के विचार, कार्यपद्धति एवं शैक्षिक गतिविधियों से शिक्षाविदों, चिंतकों व समाजसेवियों को परिचित कराना था।

विद्या भारती के अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री श्री श्रीराम आरावकर ने मुख्य व्यक्त के रूप मे सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्या भारती केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के नव निर्माण हेतु संस्कारयुक्त नागरिकों के निर्माण का एक व्यापक आंदोलन है। विद्या भारती के विद्यालय देश के कोने-कोने में कार्यरत हैं - केवल लक्षद्वीप को छोड़कर शेष सम्पूर्ण भारत में - जहाँ विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, अपितु चरित्र, कर्तव्यबोध और राष्ट्रनिष्ठा के मूल्यों से युक्त शिक्षा दी जा रही है।

विचार और विमर्श से परिपूर्ण तीन सत्र

परिचय वर्ग में तीन सत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्या भारती की भूमिका, संगठन की विकास यात्रा, लक्ष्य, कार्य पद्धति, तथा चरित्र निर्माण, सांस्कृतिक बोध और कर्तव्यपरक शिक्षा की प्रासंगिकता पर गंभीर चिंतन और संवाद हुआ।

विद्या भारती -एक आंदोलन, एक संकल्प

अपने वक्तव्य में डॉ. रविन्द्र कान्हेरे जी अध्यक्ष, विद्या भारती ने कहा कि विद्या भारती केवल पठन-पाठन तक सीमित नहीं है, अपितु यह भारतीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक शैक्षिक-सांस्कृतिक राष्ट्रधर्मी आंदोलन है। उन्होंने संगठन के विभिन्न रचनात्मक उपक्रमों जैसे विद्वत परिषद, पूर्व छात्र परिषद, क्रियाशोध, संस्कृति बोध परियोजना एवं विज्ञान मेला की जानकारी दी और इन्हें समाज में सकारात्मक विमर्श स्थापित करने का सशक्त माध्यम बताया।

21वीं सदी की चुनौतियों हेतु नवाचारशील शिक्षा

परिचय वर्ग में यह भी रेखांकित किया गया कि विद्या भारती आज विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी शैक्षिक संगठन है, जो AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), ICT (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) और 21वीं सदी के आवश्यक जीवन-कौशलों से सुसज्जित गुणवत्तापूर्ण एवं मूल्यनिष्ठ शिक्षा प्रदान करने की दिशा में निरंतर नवाचार कर रहा है।

समापन सत्र में जीवन निर्माण पर बल

समापन सत्र में श्री श्रीराम आरावकर ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए कहा कि विद्या भारती का उद्देश्य केवल 'ज्ञान प्रदाय' नहीं, बल्कि 'जीवन निर्माण' है। उन्होंने शिक्षाविदों, समाजसेवियों और राष्ट्रचिंतकों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस विचारधारा को न केवल आत्मसात करें, बल्कि समाज में सक्रिय रूप से प्रसारित भी करें।

कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे सभी प्रतिभागियों ने विद्या भारती की दिशा, दृष्टि और कार्यपद्धति की मुक्तकंठ से सराहना की तथा राष्ट्रहित में इस अभियान से जुड़कर समाज परिवर्तन का सक्रिय अंग बनने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष श्री मोहनलाल गुप्त, मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री श्री निखिलेश महेश्वरी, वर्ग प्रभारी डॉ. आशीष जोशी एवं संयोजक डॉ. जी.एस. राय आदि उपस्थित रहे।

विद्या भारती परिचय वर्ग, ग्वालियर

ग्वालियर | विद्या भारती मध्यभारत प्रांत द्वारा ग्वालियर महानगर के प्रबुद्धजनों का "विद्या भारती परिचय वर्ग" सरस्वती विद्या मंदिर (CBSE) आवासीय विद्यालय, केदारधाम ग्वालियर में संपन्न हुआ।

विद्या भारती की स्थापना का उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं राष्ट्रहितकारी शैक्षिक गतिविधियों से शिक्षाविदों, चिंतकों व समाजसेवियों को परिचित कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रविन्द्र कान्हेरे (अध्यक्ष, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान) रहे एवं अध्यक्षता श्री अखिलेश मिश्रा (विद्या भारती मध्यक्षेत्र संगठन मंत्री) ने की। विशिष्ट अतिथियों श्री निखिलेश महेश्वरी (प्रांत संगठन मंत्री), डॉ. आदित्य मिश्रा (क्षेत्र उपाध्यक्ष) एवं सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री मोहनलाल गुप्त की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. शिरोमणी दुबे, कार्यक्रम संयोजक डॉ. रामनिवास गुप्ता एवं डॉ. रामकुमार भावसार, प्रांत प्रमुख मध्य भारत सहित विद्या भारती के प्रमुख अधिकारियों और शिक्षाविदों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पर्यावरण पखवाड़ा

भोपाल। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद मध्यभारत द्वारा 15 से 30 जुलाई तक "पर्यावरण पखवाड़ा" आयोजित किया गया। इस दौरान एक दिवस 248 पूर्व छात्र-छात्राओं ने भोपाल स्थित कलियासोत पहाड़ी पर 1100 पौधों को रोपित किया।

मध्य क्षेत्र-मध्य प्रदेश

पूर्वी उत्तर क्षेत्र-काशी

प्रांतीय प्रचार विभाग कार्यशाला

प्रचार विभाग कार्यशाला, प्रयागराज

प्रयागराज | ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सिविल लाइंस प्रयागराज में प्रांतीय प्रचार विभाग कार्यशाला सकुशल सम्पन्न। कार्यशाला में विद्या भारती अखिल भारतीय सह प्रभारी (प्रचार विभाग) डॉ. सौरभ मालवीय एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मार्गदर्शन किया। डॉ. मालवीय ने कहा की विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा सस्थान का मूल उद्देश्य भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रीयता आधारित शिक्षा प्रणाली का प्रसार करना है। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन या रोजगार तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें नैतिक मूल्य, जीवनोपयोगी गुण, और भारतीय संस्कृति के आदर्श भी सम्मिलित होने चाहिए। विद्यार्थियों में सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा भावना, अनुशासन और देशभक्ति जैसे उच्च आदर्शों का विकास करना चाहिये। भारतीय परपंराओं, आचार-विचार और धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश शिक्षा में हो। वेदों, उपनिषदों और प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़नें पर बल देना हैं। भारतीय त्योहारों, परंपराओं और लोकाचार का प्रचार-प्रसार करना। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रो मे संस्कारयुक्त शिक्षा का प्रसार ही विद्या भारती का लक्ष्य है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री योगेन्द्र जी ने सम्बोधित करते हुये कहा कि आज के डिजिटल युग मे प्रचार विभाग की भूमिका और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया, वेबसाइट, न्यूजलेटर, प्रेस विज्ञप्तियाँ, और विभिन्न प्रचार माध्यमों के माध्यम से यह विभाग लोगो को जोड़ता है और उन्हे जागरूक करते हुए संगठन के प्रति विश्वास निर्माण करता है।

प्रचार विभाग कार्यशाला, ब्रज प्रदेश

उत्तर क्षेत्र-ब्रज प्रदेश

ब्रज प्रदेश | विद्या भारती ब्रज प्रदेश की सम्बद्ध जन शिक्षा समिति ब्रज के निर्देशन में सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, पुरदिल नगर में विद्यालय प्रचार प्रमुखों की एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। यह कार्यशाला बरेली, आगरा एवं अलीगढ़ मंडलों के 12 जनपदों में संचालित विद्यालयों से आए प्रचार प्रमुखों के लिए आयोजित की गई,जिसमें विद्यालय प्रचार को सशक्त, योजनाबद्ध और तकनीकी दृष्टि से समृद्ध बनाने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना श्री सतीश मिश्रा, पूर्णकालिक ने प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) राकेश सारस्वत, प्रांत शैक्षिक प्रमुख, विद्या भारती ब्रज प्रदेश ने "शैक्षिक पत्रकारिता – क्या, क्यों और कैसे?" विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल सूचनाओं का संप्रेषण नहीं, अपितु यह शिक्षा के माध्यम से समाज में जागरूकता, मूल्य और संस्कारों के प्रचार का प्रभावी माध्यम है।

कार्यक्रम में कुल सहभागिता 92 रही, जिसमें प्रचार प्रमुखों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ, मीडिया प्रतिनिधि एवं समिति के कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रांतीय प्रधानाचार्य कार्यशाला, हरियाणा

हरियाणा। विद्या भारती हरियाणा द्वारा शिक्षण गुणवत्ता, नेतृत्व विकास तथा संस्कार आधारित शिक्षण पद्धति को सशक्त करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य कार्यशाला का आयोजन 6 से 8 जुलाई 2025 तक कालांवली (सिरसा) स्थित बिशनामल जैन सरस्वती विद्या मंदिर में किया गया।

इस कार्यशाला में हरियाणा प्रांत के 45 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने सहभागिता की। कार्यशाला में कुल 10 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें शिक्षण, प्रबंधन, नेतृत्व विकास एवं शैक्षिक नवाचारों पर आधारित विषयों पर गहन चर्चा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के चेयरमैन श्री पवन कुमार जी एवं हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य श्री सुभाष वरिष्ठ जी-उपाध्यक्ष हिन्दू शिक्षा समिति श्री चेतराम शर्मा जी, उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री विजय कुमार नड्डा जी, हिन्दू शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. ऋषि राज वशिष्ठ जी अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे।

विनम्र श्रद्धांजलि

अत्यंत दुःखद। विद्या भारती के अत्यंत कर्मठ और समर्पित वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व प्रदेश निरीक्षक, श्रद्धेय श्री चिंतामणि सिंह जी का आकस्मिस देहावसान हो गया। यह विद्या भारती परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

श्री चिंतामणि सिंह जी ने अपना संपूर्ण जीवन विद्या भारती विद्यालयों के शैक्षिक उत्थान हेतु समर्पित किया। आप ज्वालादेवी विद्यालय प्रयागराज के प्राचार्य रहे बाद में प्रदेश निरीक्षक एवं क्षेत्रीय समिति के पदाधिकारी भी रहे।

गंगा समग्र के सह कोषाध्यक्ष का दायित्व भी आपने कुशलतापूर्वक निभाया। उनके अथक प्रयासों और दूरदर्शिता ने संगठन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मार्गदर्शन, उनकी निष्ठा और उनके सरल स्वभाव ने अनगिनत कार्यकर्ताओं और छात्रों को प्रेरणा दी। शिक्षा के प्रति उनकी लगन और भारतीय मूल्यों के संरक्षण के लिए उनका समर्पण सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनके निधन से विद्या भारती ने अपना एक सच्चा सेवक खोया है, जिसकी भरपाई कठिन है। इस दुःख की घड़ी में हम सभी शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

विद्या भारती संकुल संवाद परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि। ॐ शांति शांति शांतिः।

विद्या भारती विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा समारोह

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुर्साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

गुरु (शिक्षक) ब्रह्मा के समान हैं, गुरु विष्णु के समान हैं, गुरु शंकर (देवों के देव, महेश्वर) के समान हैं। गुरु साक्षात परब्रह्म (सर्वोच्च सत्य) हैं, उन गुरु को मैं नमस्कार करता हूँ। गुरुपूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं।

विद्या भारती के विद्यालयों मे आषाढ़ मास, शुक्लपक्ष, पूर्णिमा तिथि विक्रमसंवत् (दिनांक 10.07.25)(गुरुवार) को "गुरुपूर्णिमा" का कार्यक्रम हर्ष और उल्लास से मनाया गया। सभी विद्यालयों के आचार्यों द्वारा छात्रो को गुरु पूर्णिमा का महत्व बताया गया। यह पर्व महर्षि वेद व्यास जी के जन्मदिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिन्होंने चारों वेदों का संकलन किया था। छात्रो द्वारा गुरू वंदना, गुरू मात पिता, गुरु बंधु सखा गीत प्रस्तुत किया गया, जिसमें बच्चों ने आचार्यों के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया और सभी ने उनका उत्साहवर्धन किया।

उपलब्धियां

एस-600 डिफेन्स प्रोजेक्ट को प्रथम स्थान

NO.	TEAM NAME	NAME OF SCHOOL	NAME OF CITY	NAME OF STATE	NAME OF PROJECT
	Mission Innovators	Saraswati Vidya Mandir Senior Secondary School Rambagh Basti	Goraksh Prant Basti	Uttar Pradesh	S-600
	Shoorveer	SVM HIMARASHMI PARISAR VIKASNAGAR SHIMLA	SHIMLA	Himachal Pradesh	Smart Border Security & Anti-Jamming Communication System
	Brain Stormers	Sant Bal Yogeshwar Bhartiya Vidya Mandir Senior Secondary School Dadwara	Jammu	JAMMU & KASHMIR(UT)	Soldier Status Monitoring System
	SDG GIRLS	Smt Savitri Devi Gattani Girls AVM School	Nokha, Bikaner	RAJASTHAN	Metal Detector & Landmine Detector

बस्ती। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रामबाग (गोरक्ष प्रांत, बस्ती) के अटल टिंकरिंग लैब से जुड़े सचिन, सर्वेश शुक्ला एवं कृष्णा एवं अथर्व द्वारा तैयार प्रोजेक्ट "मिशन इनोवेशन S-600" को विद्या भारती ATL Innovation Exhibition (जून थीम) के परिप्रेक्ष्य में अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित मासिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

यह डिफेन्स इनोवेशन आधारित प्रोजेक्ट एक स्वचालित प्रणाली है, जिसमें पेट्रोलिंग टैंक और ड्रोन ट्रैकिंग रडार जैसी अत्याधुनिक तकनीक शामिल हैं। यह मॉडल सीमावर्ती क्षेत्रों में थल और वायु सुरक्षा के लिए बेहद उपयोगी है।

प्रधानाचार्य श्री गोविन्द सिंह जी ने प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम के सचिन, सर्वेश, कृष्णा, अथर्व एवं अटल लैब संयोजक/आचार्य श्री अंकित कुमार गुप्ता को सम्मानित किया।

इस प्रोजेक्ट के लिए श्री गोविन्द चन्द महंत जी, संगठन मंत्री-विद्या भारती ने प्रधानाचार्य और संयोजक आचार्य को शुभकामनाएं दी हैं।

अंडर-16 वालीबाल टीम में आदेश सिंह का चयन

ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस, प्रयागराज के कक्षा 10 के छात्र आदेश सिंह का चयन अंडर-16 एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 12 से 19 जुलाई 2025 तक थाईलैंड में आयोजित की गई।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन -जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

www.vidyabharti.net | www.vidyabharatisamvad.com
Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com
Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

@VidyaBharatiIN